एक नजर में

जंगल से लकड़ी बीनने गई महिला की मौत

बैतूल। जंगल में लकड़ी बीनने गई महिला कीचड़ में फिसल गई, जिससे उनकी गर्दन में गंभीर चोट लग गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल बसंती धुर्वे (35) को तत्काल बैतूल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। हालांकि, भोपाल ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई। मृतका के शव को वापस बैतूल लाया गया है, जहां जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

5 करोड़ 25 लाख से बनेगा जनपद पंचायत भवन

मुलताई। नगर में जनपद पंचायत भवन का 5 करोड़ 25 लाख 67 हज़ार की लागत से निर्माण होगा। विधायक चंद्रशेखर देशमुख के प्रयासों से निर्माण कार्य को प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। प्रशासकीय स्वीकृति मिलने पर जनपद अध्यक्ष नान्ही बाई पिरथी डहारे ने मुख्यमंत्री मोहन यादव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री प्रहलाद पटेल और विधायक चंद्रशेखर देशमुख का आभार जताते हुए कहा विधायक चंद्रशेखर देशमुख के प्रयासों से जनपद पंचायत को नवीन आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन मिलने जा रहा है जिससे कई प्रकार की सुविधा क्षेत्र की जनता को मिलेगी।

सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 16 को

बैतूल। जिला पंचायत सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 16 जुलाई को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने बताया कि बैठक में जिला पंचायत के त्रैमासिक आय-व्यय माह अक्टूबर 2024 से माह दिसंबर 2024, माह जनवरी 2025 से माह मार्च 2025 एवं माह अप्रैल 2025 से माह जून 2025 पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा जिला पंचायत के मूल कर्मचारियों एवं डीआरडीए सीधी भर्ती के कर्मचारियों की पदोन्नति पर एवं. आजीविका प्लाजा प्रोजेक्ट पर चर्चा होगी। वहीं परियोजना अधिकारी (संविदा) डीआरडीए जिला पंचायत बैतूल श्रीमती ललिता कर्णे को 1 अप्रैल 2014 से 31 जुलाई 2024 तक पारिश्रमिक/मानदेय में हुई वृद्धि अनुसार स्वत्व राशि रूपये 28 लाख 70 हजार 695 के भुगतान पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान अन्य विषयों पर भी चर्चा की जाएगी।

खेत में किसान को लगा करंट, मौत

बैतूल। मर्दवानी गांव में बुधवार शाम खेत में काम कर रहे एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह असावधानीवश बिजली के तार की चपेट में आ गया। मृतक की पहचान 33 वर्षीय अस्थिलाल पिता झाम सिंह धुर्वे के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, खेत में काम के दौरान वह बिजली के वायर के संपर्क में आ गया और जोरदार करंट लगने से गंभीर रूप से झुलस गया। आसपास मौजूद लोगों ने युवक को गिरा देखा तो तत्काल परिजनों को सूचना दी। गंभीर रूप से घायल अस्थिलाल को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिजली उपकरणों में दौड़ते करंट को लेकर विभाग बेपरवाह

बैतूल। बारिश का मौसम चल रहा है और ट्रांसफॉर्मर के नीचे लगे फ्यूज स्विच डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स को व्यवस्थित रूप से बंद तक नहीं किया गया है। जिससे खतरा बढ़ गया है।

खुले डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स बन सकते हैं हादसों का कारण

स्पार्किंग के कारण आतिशबाजी की तरह निकलती चिंगारियां

हालात यह है कि कहीं-कहीं फ्यूज बाक्स की ऊंचाई 2 से 3 फीट तक ही है। इससे मवेशियों और यहां से निकलने वाले रहवासियों को करंट लगने का डर लगा रहता है। लोगों का कहना है कि बिजली के खुले तार बेहद खतरनाक है। बिजली कर्मचारियों द्वारा भी इन्हें व्यवस्थित नहीं किया जाता है। जबकि कई बार इन तारों के संपर्क में आने से मवेशियों की मौत तक हो चुकी है। बता दे कि शहर में 550 से अधिक ट्रांसफॉर्मर लगे हैं, जिसके नीचे फ्यूज स्विच के लिए डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स लगाए हैं, लेकिन इन्हें व्यवस्थित रूप से बंद तक नहीं किया गया है। कहीं बॉक्स खुले पड़े हैं तो कहीं टूटे हुए लटक रहे हैं। कुछ जगह पर तो बॉक्स जमीन से कुछ ऊपर कम ऊंचाई में लगा दिए हैं, जिससे बारिश के दौरान शॉर्ट-सर्किट होने से विद्युत पोल में करंट आने का खतरा बनता रहता है। लाइन सुधारने के दौरान भी बिजली कर्मचारी इन बॉक्स को वैसे ही छोडकर चले जाते है।

तारों में स्पार्किंग से लोगों में बढ़ रहा डर : कई बार बिजली तारों में स्पार्किंग के कारण आतिशबाजी की तरह चिंगारियां निकलती है। इससे लोगों के दिलों में बिजली का डर बना हुआ है।

लोगों ने बताया कि तार बार-बार टूटने के कारण जर्जर हो चुके हैं। इन तारों में कई जोड़ लगाकर बिजली की सप्लाई की जा रही है। खुले तार जब हवा के कारण आपस में टकराते है, तो आतिशबाजी की तरह चिंगारियां निकलती है। इससे दुर्घटना का डर बना रहता है। कई स्थानों पर बिजली के तार मकानों से सटकर गुजरे है। वहीं ट्रांसफार्मरों की ऊंचाई भी कम है। लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग द्वारा कुल मिलाकर अनदेखी की जा रही है। इससे भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है।

झालरों की तरह लटक रहे हैं तार : शहर के कई मोहल्लों में खुले तार झालरों की तरह लटक रहे है। इससे कभी भी हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। शहरी उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली आपूर्ति कराने के लिए बिजली विभाग द्वारा तमाम प्रयास किए जा रहे हैं। इनमें बिजली की चोरी रोकने के लिए प्लास्टिक कोटेट केबल लगाये है, लेकिन शहर के कई मोहल्लों में अब तक वर्षों पुराने बिजली के खंभो और तार को नहीं बदला गया है। बिजली तार झूलते नजर आ रहे है। ऐसी ही स्थिति अधिकांश गलियों में नजर आ रही हैं। जिससे कभी भी हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता है।

> मैंने अभी-अभी ज्वानिंग ली है। इस बारे में पता करके जल्द ही फ्यूज स्विच, डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स और खुले तारों को व्यवस्थित करवाता हूं।
>
> **योगेन्द्र चौधरी,** एई, जोन -2, विद्युत विभाग बैतूल

मेंटेनेंस के बावजूद स्थिति जस की तस

कंपनी द्वारा बिजली लाईनों का मेंटनेंस किया जाता है। मेंटनेंस के नाम पर घंटो कटौती रहती है। लेकिन मेंटनेंस का यह कार्य भी मात्र औपचारिकता तक सीमित है, जबकि स्थिति जस की तस नजर आती है। बिजली खंभो पर तारों का जाल, झूलते तार को कसा तक नहीं जाता। ऐसे में फाल्ट आने पर लोगों को घंटो तक अंधेरे में रहना पड़ता है। बिजली खंभों पर तारों के जाल के कारण कर्मचारियों को खुद समझ नहीं आता है कि कौन से तार किसका है। कर्मचारी अंदाजे से ही सुधार करते है। इसके बाद भी बिजली कंपनी के अधिकारियों द्वारा लाइनों को व्यवस्थित करने की कार्रवाई नहीं की जा रही। इससे बिजली के तार और ट्रांसफामर गंभीर हादसे का कारण बन सकते है।

बिजली उपकरण बदलने पर नहीं देते जोर

विद्युत कंपनी द्वारा फ्यूज स्विच, डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स सहित उपकरण बदलकर नया लगाने पर जोर नहीं दिया जाता है, बल्कि उन्हीं उपकरणों को जैसे-तैसे जुगाड़ लगाकर दोबारा फीट कर दिये जाते है। जानकार बताते है कि पॉवर सप्लाई ट्रांसफॉर्मर का डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स क्षमता के अनुसार लगाया जाता है। एक बॉक्स 15 से 20 हजार रुपए में आता है। सामान्य तौर पर पुराने बॉक्स को रिपेयरिंग करने की नौबत अधिक रहती है। कंपनी को कभी 2 तो कभी 4 बॉक्स की आपूर्ति होती है, जिसे अधिक जरूरत वाले स्थानों पर लगाते हैं। आपूर्ति होने पर बॉक्स लगाते हैं। लिंक रोड पर ममता अस्पताल के सामने ट्रांसफार्मर का यही हाल है। इसके तार जमीन में बिखरे हैं। ऐसे में करंट फैलने का डर भी बना रहता है। इसी प्रकार भग्गुढाना में मनीष ब्रेड फैक्ट्री के पास लगे ट्रांसफार्मर के डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स भी खुले पड़े हैं जिन्हें बंद नहीं किया गया है।

भवनों तथा जल-टंकियों पर छत्ते न रहे, निर्देश किए जारी

नवभारत न्यूज

बैतूल, 10 जुलाई. बैतूल जिले में होटलों, ऊंची इमारतों, जल-टंकियों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर मधुमक्खियों के छत्ते लगातार पाए जाने से अप्रिय दुर्घटनाओं की आशंका को ध्यान में रखते हुए बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जिले के समस्त होटल संचालकों, ऊंची इमारतों के प्रबंधकों, शासकीय एवं अशासकीय भवनों के जिम्मेदारों तथा जल-टंकियों के प्रभारियों को निर्देशित किया है कि

वे सुनिश्चित करें कि उनके परिसरों में मधुमक्खियों के छत्ते न हों। यदि छत्ते लगे पाए जाएं, तो उन्हें मान्यता प्राप्त मधुमक्खी नियंत्रण विशेषज्ञों अथवा नगर पालिका या फायर ब्रिगेड विभाग की सहायता से सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए हटवाया जाए।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया है कि मधुमक्खियों के छत्ते हटाने की प्रक्रिया के दौरान स्थानीय नागरिकों को अग्रिम सूचना दी जाए और समुचित सावधानियां बरती जाएं ताकि किसी को कोई नुकसान न पहुंचे। साथ ही हटाए गए छत्तों के अवशेषों को भी उचित तरीके से नष्ट करना अनिवार्य होगा, जिससे मधुमक्खियां दोबारा आकर्षित न हों। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने समस्त नगर पालिकाओं, नगर परिषदों एवं ग्राम पंचायतों को अपने-अपने क्षेत्रों में इस दिशा में सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। संबंधित भवन स्वामियों को समय-समय पर आवश्यक निर्देश भी दिए जाएंगे। इस आदेश के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित व्यक्ति या संस्था के विरुद्ध सुसंगत विधिक प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

मौसम विभाग ने जारी किया बारिश का अलर्ट

बैतूल। बुधवार से बारिश थम गई है, लेकिन मौसम विभाग ने बैतूल समेत 14 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटों में इन जिलों में 8 इंच तक भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने 11 जुलाई को भी भारी बारिश की संभावना जताई है। हालांकि, 12 जुलाई से मौसम में सुधार की उम्मीद है। इसलिए उस दिन के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। इधर सारणी इलाके में पिछले 24 घंटों में बारिश नहीं हुई है। जिससे सतपुड़ा बांध के कैचमेंट एरिया को राहत मिली है। तवा नदी में पानी की आवक कम होने से गुरुवार सुबह 7.30 बजे बांध के सभी 14 गेट बंद कर दिए गए हैं। जिले में अब तक 340.5 मिमी बारिश हो चुकी है। जिसमें घोड़ाडोंगरी में 589 मिमी, शाहपुर 487.4 मिमी, चिचोली 365.2 मिमी, भीमपुर 360 मिमी, प्रभात पट्टन 330.5 मिमी, आमला 295 मिमी, मुलताई 277.5 मिमी, बैतूल 252.8 मिमी, भैंसदेही 228 मिमी और आठनेर में 222.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

मोग्या बाबा ध्वज यात्रा निकाल कर की भंडारा प्रसादी वितरित

मुलताई। गुरू पुर्णिमा व अखाडी के पावन पर्व पर ग्राम कामथ में स्थित चमत्कारी मोग्या बाबा मंदिर से ध्वज यात्रा निकालकर, विशाल भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया।ध्वज यात्रा में मोंग्या बाबा मंदिर सेवा समिति के सदस्यों साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए ध्वज यात्रा ग्राम का भ्रमण कर वापस मंदिर स्थल पहुंची।जहां मोग्या बाबा की पुजा अर्चना कर ध्वज स्थापित किया गया। ध्वज यात्रा के बाद भंडारा प्रसादी का वितरण किया गया। जिसमे श्रृद्धालुओ ने भंडारा प्रसादी ग्रहण की।

गुरुद्वारा में हुआ लंगर,हलुआ चना का किया वितरण : नगर के ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संगत द्वारा लंगर का आयोजन किया गया। साथ ही मार्ग से जाने वाले राहगीरों को हलुआ,चना प्रसाद भी वितरित किया। गुरुवार को संगत ने सुबह 11 बजे से सुखमणि साहिब का पाठ किया। उसके उपरांत शबद कीर्तन करते हुए गुरु की आराधना की। वही गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बोले सो निहाल ,सतश्री अकाल के जयकारे के साथ निशान साहिब का चोला चढ़ाया गया।

यूरिया खाद के लिए परेशान हो रहे किसान

चिचोली। चिचोली में युरिया एवं डीएपी खाद के लिए किसान परेशान हैं। इधर उधर खाद के लिए भटक रहे हैं। मजबुर में प्रायवेट दुकानो से ज्यादा किमत पर खाद लेना पड रहा है। वही शासकीय गोंडवाना संस्था में बड़ी संख्या में किसानो ने खाद नही मिलने पर जमकर हंगामा किया। किसानों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार डालीं रैकवार से खाद दिलाने की मांग की। तहसील कार्यालय में जमकर हंगामा किया। तहसीलदार ने तुरंत गोंडवाना संस्था पहूंच कर निरीक्षण किया, जहां पाया खाद तो है, पर मशीन में दर्ज नही होने के कारण प्रबंधक द्वारा खाद नही

दी जा रही थी। तहसीलदार ने किसानों से कहा एक दिन ठहरो कल से सभी को खाद मिलेगी। जानकारी है कि खाद जिले में भरपुर मात्रा में है, पर खाद की कालाबाजारी के चलते खाद वितरित करने में जानबुझकर लापरवाही करने से किसानो को खाद समय पर नही मिल रही है। जिससे किसान परेशान हैं और खाद के लिए भटक रहे है। सुबह से आकर लाईन में लगते हैं फिर भी खाद नही मिल पा रही है। किसान संघ के संतोष यादव ने कहा कालाबाजारी प्रशासन को बन्द कराना चाहिए ।

दुर्गा मंदिर में आयोजित अखंड भजन सप्ताह का समापन कल

भैंसदेही। श्री दुर्गा मंदिर संस्थान भैंसदेही के तत्वावधान में अखंड भजन सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी शुरूआत 5 जुलाई को की गई, वहीं समापन 12 जुलाई को किया जायेगा। इस अवसर पर विशाल भंडारे का भी आयोजन होगा। पंडित निलेश तिवारी ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मंदिर प्रांगण में अखंड भजन सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। प्राचीन दुर्गा मंदिर में अखंड भजन सप्ताह कार्यकम का यह 44 वाँ वर्ष है। जिसमें दिन-रात 24 घंटे पुरुष, महिला मंडलों द्वारा क्षेत्र की सुख-शांति के लिए मंदिर में भजन की प्रस्तुतियां दी जा रही है। जिसमें शहर के अलावा आसपास गांवों और शहरों की दर्जनों भजन मंडल हिस्सा लेकर माँ के सुंदर-सुंदर भजनों की प्रस्तुति दे रहे है। पंडित श्री तिवारी ने बताया कि अखंड भजन सप्ताह का समापन 12 जुलाई को किया जायेगा। इस अवसर पर विधिविधान से पूजा-अर्चना होगी और इसके बाद भंडारे का आयोजन किया जायेगा। जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की जायेगी। समिति ने आयोजन में आने की अपील की है।

दादाजी कुटी में हेमंत खण्डेलवाल ने की पूजा अर्चना

बैतूल। गुरूपूर्णिमा के पावन पर्व पर जिलेभर में धार्मिक आस्था का विशेष माहौल देखने को मिला। बैतूल शहर के खंजनपुर क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध दादाजी की कुटी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही श्रद्धालु कतारबद्ध होकर कुटी में पहुंचे और दादाजी की धूनी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर नवनिर्वाचित भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल भी विशेष रूप से दादाजी कुटी पहुंचे। उन्होंने पूरे विधि-विधान से पूजा की और दादाजी की कृपा का आशीर्वाद प्राप्त किया। ट्रस्ट अध्यक्ष प्रवीण पम्मू भावसार सहित ट्रस्ट के

पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया और प्रसाद भेंट किया। गुरूपूर्णिमा को लेकर दादाजी की कुटी में विशेष तैयारियां की गई थीं। यहां 24 घंटे जलने वाली धूनी में श्रद्धालु अपनी श्रद्धा समर्पित करते हैं। इस पावन अवसर पर सुबह से ही निशान चढ़ाने की परंपरा निभाई गई, जिसे विशेष धार्मिक महत्व प्राप्त है। शाम के समय विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। प्रसादी में टिक्कड़, चटनी, हलवा, पुड़ी और सब्जी वितरित की गई, जिसमें विशेष तौर पर टिक्कड़-चटनी को लोगों ने खूब पसंद किया।

खदान जाने वाली खस्ताहाल सड़क बन रही हादसों का कारण

सारनी। पाथाखेड़ा से होकर तवा टू खदान पहुंच मार्ग जाने वाली सड़क की हालत दिनों दिन बदतर होती जा रही है। जगह-जगह गड्ढे, उखड़े डामर और संकरा रास्ता लोगों के लिए मुसीबत बन गया है।

खराब सड़कों के कारण कोल कामगार परेशान

सड़क की मरम्मत पर नहीं दिया जा रहा ध्यान

इस जर्जर सड़क से प्रतिदिन सैकड़ों कोलकर्मी खदान पहुंचते हैं, जिनकी जान अब खतरे में

पड़ती नजर आ रही है। जानकारी के अनुसार, बीते कुछ महीनों में इस मार्ग पर कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें दर्जनों लोग घायल हो चुके हैं। मोटरसाइकिल सवार, साइकिल सवार और छोटे वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गड्ढों में फंसकर वाहन फिसलते हैं और लोग गिरकर चोटिल हो जाते हैं। कोलकर्मियों का कहना है कि इस मार्ग की मरम्मत की मांग वे लंबे समय से कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। क्षेत्रीय महासचिव संतोष कैथवास ने कोल इंडिया के महाप्रबंधक को पत्र लिखकर मांग की है। लगातार बढ़ते हादसों को देखते हुए अब लोगों में रोष पनपने लगा है। स्थानीय लोगों और कोलकर्मियों ने स्थाई प्रशासन व जिला प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत करवाने की मांग की है। ताकि कोल कर्मचारियों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से निजात मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते काम नहीं हुआ तो वे उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

धरना सड़क अधूरी, फिर भी टोल वसूली जारी, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

प्रदर्शन : कुंडी टोल प्लाजा पर अवैध वसूली के खिलाफ धरना प्रदर्शन

बैतूल/शाहपुर। कुंडी टोल प्लाजा को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। अधूरी सड़क और अधूरी सुविधाओं के बावजूद लगातार की जा रही टोल वसूली को लेकर दो दर्जन ग्रामों के ग्रामीणों ने टोल प्लाजा पर पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने कहा, अधूरे हाइवे पर वसूला जा रहा टोल

टोल कर्मियों द्वारा छोटे वाहनों से भी वसूल रहे राशि

इस दौरान ग्रामीणों ने एनएचएआई अधिकारी और एसडीएम को ज्ञापन दिया। प्रदर्शन की जानकारी लगते ही मौके पर

एसडीएम डॉ अभिजीत सिंह, तहसीलदार टी विश्के, एसडीओपी मयंक तिवारी, नेशनल हाईवे के अधिकारी, थाना प्रभारी मुकेश ठाकुर एवं शाहपुर, बीजादेही, चोपना और सारणी का पुलिस बल बड़ी संख्या में उपस्थित था। एसडीएम डॉ अभिजीत सिंह ने ग्रामीणों को समझाया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को बताया कि उनकी मांगों के संबंध में हाईवे के उच्च अधिकारियों से चर्चा की जाएगी। धरना प्रदर्शन के दौरान एक दिव्यांग ड्राइवर ने प्रशासन से गुहार लगाते हुए कहा कि वह एक ऑटो चालक है। टोल कर्मियों द्वारा ऑटो चालक से भी टोल की वसूली की जा रही है। ग्रामीणों की मांग है कि जब तक नेशनल हाईवे पूर्ण नहीं हो जाता, तब तक टोल टैक्स नहीं लिया जाए। बरेठा घाट पर जगह-जगह गड्ढे हो रहे हैं। हाईवे पर सर्विस रोड, पेड-पौधे, सांकेतिक बोर्ड तक अभी नहीं लगे हुए हैं। इटारसी से लेकर बैतूल तक छोटी-बड़ी पुल एवं पुलियाएं अधूरी है, जिन्हें तत्काल पूरा किया जाए। ग्राम पंचायत कुंड के सरपंच वीरेंद्र ऊईके का कहना है कि टोल प्लाजा कुंडी ग्राम पंचायत में आता है और पेसा एक्ट लागू है, इसके बावजूद टोल प्लाजा लगाने के संबंध में आज तक किसी प्रकार की कोई अनुमति ग्राम पंचायत से नहीं ली गई। जिस कारण यहां टोल प्लाजा पूर्ण रूप से अवैध है। टोल प्लाजा द्वारा ग्रामीणों को मंथली पास जारी किया जा रहे हैं वह भी गलत तरीके से दिए जा रहे हैं। मासिक पास की समय सीमा एक माह की होना चाहिए, जबकि टोल प्लाजा द्वारा दिए जा रहे हैं पास की अंतिम तिथि 30 तारीख रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि वह प्रतिदिन आना-जाना करते है। ऐसे में उन्हें टोल चुकाना पड़ रहा है। जिसके कारण ग्रामीणों में नाराजगी बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि दिन में कम से कम दो से तीन बार चक्कर लगते है। जिससे उन्हें हर बार टोल चुकाना पड़ता है। इसके कारण ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

वार्ड क्रमांक 31 में बारिश में सड़क धंसी

सारनी। शोभापुर कॉलोनी वार्ड क्रमांक 31 में कायाकल्प 1.0 योजना के तहत बनी सड़क हाल ही में हुई बारिश के चलते धंस गई।

इंजीनियर के परीक्षण में कमी रही वजह जिससे एक बार फिर नगर पालिका की निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। उल्लेखनीय है कि यह सीसी रोड लगभग 13 वर्ष पूर्व बनाई गई थी और इसी सी सी रोड के ऊपर समय रहते 1.0 कायाकल्प रिन्युअल कोड भी दर्ज किया गया था। इंजीनियर के रिटर्निंग वॉल का परीक्षण करने में हुई चूक नहीं रख ध्यान,सड़क के साथ ही बनी रिटर्निंग वॉल भी गत तेरह साल पहले की है। लगभग 30 मीटर रोड बारिश में ढही,जिसे नगर पालिका के इंजीनियरों द्वारा

परीक्षण कर स्वीकृति दी गई थी। अब जब बारिश में यह संरचना क्षतिग्रस्त हुई है, तो यह साफ संकेत करता है कि निर्माण की गुणवत्ता व परीक्षण में भारी लापरवाही हुई थी। हाल ही में कुछ माह पहले भी यहां मरम्मत एवं अन्य कार्य हुए थे, लेकिन वे रिटर्निंग वॉल टूट के गिर जाने से पहली बारिश की भी पानी की मार नहीं झेल सके। स्थानीय निवासियों में रोष है और वे मांग कर रहे हैं कि नगर पालिका दोषियों की जवाबदेही तय करे व क्षतिग्रस्त सड़क की भरपाई परीक्षण करने वाले इंजीनियर ,ठेकेदार ही करे। आमजन की स्थानिक प्रशासनिक अधिकारी से मांग है कि स्थायी समाधान की ओर कदम बढ़ाए।